तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय, पोरबन्दर

मासिक पत्रिका - सितंबर माह, 2023

बिरला रोड, पोरबन्दर - 360576
गुजरात
Website : porbander.kvs.ac.in
E-mail - kvpbr@yahoo.co.in
Vidyalaya office - 0286-2990101

G20 भारत 2023 INDIA

केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

विद्यालय मासिक पत्रिका - सितम्बर माह 2023

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक

श्रीमती श्रुति भार्गव
उपायुक्त
के.वि.सं. (क्षेत्रीय कार्यालय)
अहमदाबाद संभाग
(गुजरात)

श्री के. डी. लाखाणी (आई.ए.एस.)
कलेक्टर एवं जिलाधिकारी &
अध्यक्ष,विद्यालय प्रबंधन समिति)
केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

संरक्षक -

श्रीमती विनीता शर्मा
सहायक आयुक्त
के.वि.सं.(क्षेत्रीय कार्यालय)
अहमदाबाद संभाग
(गुजरात)

श्री राकेश टी कांतिवाल
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

मुख्य संपादिका - श्रीमती अंजू शर्मा (परास्नातक शिक्षिका, हिन्दी)

सहायक संपादिका - श्रीमती देविला मेहता (प्राथमिक शिक्षिका)

संपादिका की कलम से

सुधि पाठकों !

सादर वन्दे |

केंद्रीय विद्यालय, पोरबन्दर की सितम्बर माह की पत्रिका का यह अंक डिजिटल रूप में प्रकाशित करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है | साहित्य का सृजन एवं संकलन का कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करता है | इस पत्रिका में सितम्बर माह में हुए क्रियाकलापों के चित्र एक सकारात्मक सन्देश देने के साथ ही साथ अग्रिम माह में और अधिक चेतना व स्फूर्ति से कार्य करने की ऊर्जा का संचार करते हैं | मैं यही संदेश आपको देना चाहूँगी -

"खैरात में नहीं मिलती कामयाबी,
हुनर को अपने निखारना होता है,
सूरज की पहली किरण यूँ ही गर्माहट नहीं देती,
रातों को अपनी अँधेरों में गुजारना होता है।
हुनर से ही तो होती है पहचान,
मंजिल पाना नहीं इतना आसान,
दिल खुश कर जाती है मुस्कान,
जब मिलता है मान-सम्मान।"

संपादिका होने के नाते अंत में, मैं उन सभी शिष्ट-विशिष्ट महानुभावों और प्रतिभाओं को अनेकानेक धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग के परिणाम स्वरुप ही इस पत्रिका का प्रकाशन इतने सहज और सरल तरीके से हो पाया | इसी के साथ मैं अपनी लेखनी को विराम देती हूँ |

अंजू शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

जय हिन्द - जय हिन्दी

लेख - राजभाषा का महत्त्व

राजभाषा का हमेशा मान होना चाहिये,

राष्ट्रभाषा का उचित सम्मान होना चाहिये,

काम हिन्दी में करें यह ध्यान होना चाहिये,

राष्ट्र की हर शक्ति का उत्थान होना चाहिये।

प्रत्येक राष्ट्र के लिए उसकी भाषा, राष्ट्रीय झण्डा और मुद्रा उसके गौरव का प्रतीक होती हैं चूँकि भारत वर्ष एक बहुभाषी राष्ट्र है और वर्तमान में 22 भारतीय भाषाओं को अष्टम अनुसूची में सम्मिलित किया गया है। संविधान निर्माण के समय संघ की भाषा का प्रश्न सामने आया कि कोई एक ऐसी भाषा चुनी जाए जो सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करे तब संविधान सभा ने उस समय देश में सर्वाधिक प्रयुक्त भाषा हिन्दी को , भाषा विज्ञान , भौगोलिक परिवेश व अन्य भाषा मानदण्डों के अनुरूप भारत की सर्वप्रचलित व प्रिय भाषा के रूप में पाया जो गुणात्मक दृष्टि से भी कसौटी पर खरी उतरी और दिनांक 14 सितम्बर 1949 को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की और इसलिए हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाते है। देष में 70% से अधिक जनसंख्या हिन्दी को बोल-चाल की भाषा के रूप में काम में लेती है। साथ ही हिन्दी आज भी विश्व की बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे स्थान पर है। अतः यह भाषा बोली के चरमोत्कर्ष के अंतिम छोर पर विराजमान है। हिन्दी का राष्ट्रभाषा रूप समस्त मानदण्डों के पूर्ण करने के पश्चात् मान्य हुआ है क्योंकि यह सर्वगुणसंपन्न व मानव सेतु के रूप में प्रकट भाषा है।

राष्ट्रभाषा व राजभाषा में अन्तर -किसी देश या राष्ट्र द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली वह भाषा जिसे राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हो, राष्ट्रभाषा कहलाती है। ऐसी भाषा संपूर्ण राष्ट्र में बोली व समझी जाती है।

राजभाषा हिन्दी -राजकाज चलाने के लिए प्रदेश या केन्द्र द्वारा जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है वह राजभाषा कहलाती है। पत्र व्यवहार, आदेश, आज्ञाएँ आदि इसी भाषा में प्रकाशित की जाती हैं।

राजभाषा हिन्दी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, अतः हिन्दी भाषा की निम्नलिखित विशेषताएँ कही जा सकती हैं।

1 इसके मौखिक व लिखित रूपों में साम्यता है। जो जैसा बोला जाता है उसको वैसा ही लिखा जा सकता है।

2 प्रत्येक ध्वनि के लिए अलग अलग वर्ण हैं।

3 उच्चारण की दृष्टि से सरल व सहज है।

4 वर्णमाला में स्वर व व्यंजनों का वर्गीकरण पूर्णतः भाषा विज्ञान नियमों के अनुसार है।

5 उच्चारण की दृष्टि से प्रत्येक वर्ण स्वतंत्र है।

6 वर्णों का रूप आकर्षक होने के कारण लिपि अनुपमता लिए हुए है।

7 लिपि में मूक वर्ण नहीं होने के कारण पाठक को वाचन की अशुद्धता की असुविधा का सामना नही करना पडता।

8 अंतर्राष्ट्रीय लिपि के समस्त मापदण्ड लिए हुए है ।

बढ रही है अपनी हिन्दी - भारत में हिन्दी को लेकर भले ही अभी हम संतुष्ट न हों, लेकिन विदेशों में हिन्दी बढ रही है। इसका श्रेय एक ओर विदेशों में बसे प्रवासी भारतीयों को है, वहीं विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों, सरकारी व निजी संस्थाओं और संगठनों को भी है, जिनके निरन्तर प्रयास हिन्दी को आगे बढा रहे हैं।

ब्रिटेन की हिन्दी ज्ञान समिति पिछले दस वर्षों से यूरोप के प्रमुख देशों में हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन करती है। इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को भारत और ब्रिटेन की सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग से भारत भ्रमण कराया जाता है। भारत में इन हिन्दी प्रेमी विद्यार्थियों को कई शहरों की यात्राओं पर ले जाया जाता है। इसी के तहत मेरठ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान इन विदेशी छात्रों ने माना कि भारतीय समाज को समझना है तो हिन्दी को भी गहराई से समझना होगा और भारतीय संस्कृति के प्रति आकर्षण ही इन्हें हिन्दी की ओर खींचता है।

न्यूयार्क सिटी के शिक्षा विभाग में नियुक्त सुषमा मल्होत्रा हिन्दी भाषा सिखाने के लिए स्टारटॉक नामक कार्यक्रम का आयोजन करती हैं। इसके तहत प्रवासी भारतीयों के साथ साथ अमरीकी युवक भी हिन्दी सीख रहे हैं। स्टारटॉक सरकारी कोष से चलने वाला कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य युवाओं को विदेशी भाषाओं की जानकारी देना है। अमरीका में रहने वाले प्रवासी भारतीयों द्वारा स्थानीय टीवी पर चलो हिन्दी बोलें नामक कार्यक्रम भी चलता है, जो काफी लोकप्रिय है।

विख्यात येल विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष छात्रों में विभिन्न विषयों पर हिन्दी में चर्चा आयोजित करता है, जो अब अमरीका में एक राष्ट्रीय आयोजन बन चुका है। इस वाद विवाद आयोजन में हार्वर्ड, प्रिंस्टन , कोलम्बिया जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्र भाग लेते हैं। कुछ माह पूर्व आयोजित चैथी येल हिन्दी चर्चा में पेंसिलवेनिया, कार्नेल, वेल्सली, कैलीफोर्निया, लॉस एंजिल्स और टेक्सास विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी शामिल हुए।

हालांकि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ बढ रही हैं, लेकिन यहाँ भी हिन्दी की लोकप्रियता कम नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत की सरकार ने केन्द्र से हिन्दी को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शामिल करने का अनुरोध किया है। राज्य सरकार ने अपने पत्र में लिखा है कि विक्टोरिया में हिन्दी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली दूसरी भाषा बन चुकी है।

पुर्तगाल में लिस्बन विश्वविद्यालय में हिन्दी पठन पाठन की व्यवस्था है, तो जापान के ओसाका विश्वविद्यालय में भारत विद्या विभाग देश विदेश के विद्यार्थियों को हिन्दी में अध्ययन की सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। चीन में न केवल बीजिंग विश्वविद्यालय बल्कि अन्य कई चीनी विश्वविद्यालयों में हिन्दी का अध्ययन कराया जाता है। चीन में हिन्दी के प्रसार के लिए जिनान विश्वविद्यालय, शेनझेन विश्वविद्यालय व यूनान विश्वविद्यालयों में अध्ययन पीठ

स्थापित की गई है। अब गुआंगझोंग विश्वविद्यालय में भी हिन्दी के लिए पीठ कायम की जा रही है। जर्मनी और रूस का हिन्दी प्रेम सभी जानते हैं।

ऐसा नहीं है कि दुनिया के विश्वविद्यालयों में ही हिन्दी बढ रही है इंटरनेट और सूचना प्रौद्योगिकी में भी हिन्दी को वर्चस्व मिल रहा है। कुछ अरसा पहले गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरिक शिमट की की एक टिप्पणी ने हलचल मचा दी थी । उन्होंने कहा, कुछ साल में इंटरनेट पर जिन भाषाओं का वर्चस्व होगा उनमें से एक हिन्दी होगी। कम्प्यूटर कंपनियों के लिए आज हिन्दी में सॉफ्टवेयर आधारित योजनाओं को लाना फायदे का सौदा साबित हो रहा है। याहू, गूगल, एमएसएन सब हिन्दी में आ रहे हैं। लिनक्स और मैकिन्टोश पर भी हिन्दी आ गई है। यूनिकोड ने हिन्दी को आम कम्प्यूटर उपभोक्ता के लिए सर्वसुलभ बना दिया है यह सही है कि संचार के माध्यम के रूप में हिन्दी अभी कच्ची है । रोमन लिपि, यूनिकोड के प्रयोग व अनुवाद की भाषा को लेकर हमारे कई हिन्दी विद्वान भले ही आश्वस्त न हों, लेकिन हिन्दी के प्रचलन को लगातार विस्तार मिल रहा है। उसकी लोकप्रियता का ग्राफ निरन्तर ऊँचा उठ रहा है। कोई भाषा तभी निखरती है , जब उसका प्रयोग करने वाले हों। हिन्दी को मिल रहा लगातार विस्तार उसे निखरने में मददगार ही साबित होगा।

हिन्दी में काम करेंगे हम, पहले मन में संकल्प करें,
निर्भय होकर आरंभ करें, संकोच न मन में अल्प करें,
पहले यदि कुछ मुश्किल होगी, धीरे धीरे मिट जायेगी,
अभ्यास निरन्तर करने से, मजबूत पकड हो जाएगी।
जय हिन्द - जय हिन्दी

अंजू शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

कविता - मिट्टी का पुतला मानव

ईश्वर की सुन्दरतम रचना, मिट्टी का पुतला है मानव,
फिर भी अपने दुष्कर्मों से, क्यों बन जाता है यह दानव?
मानव की मानवता में ही, उसके जीवन की परिभाषा,
लेकिन अपशब्दों वाली यह, कैसी बोल रहा है भाषा?
मानव-मन यदि स्वच्छ हो तो, बन सकता है इतना पावन,
तब कोई देवस्थान न होगा, उससे कहीं अधिक मनभावन।
दया, क्षमा, करुणा ही हैं जब, जीवन के अनमोल गहने,
हे नर ! तब तू क्यों रहता, यह बेशकीमती रत्न पहने?
सोना, चाँदी, रुपये, पैसे में रहती तेरी अभिलाषा,
दुनियादारी में बँधकर क्यों, भूल गया तू जीवन दिशा?
केवल धन-दौलत से ही, जग में तेरा सम्मान न होगा,

सब कुछ होकर भी जीवन में, संतुष्टि का भान न होगा।
तेरे सत्कर्मों से ही, फैलेगा तेरा यश-सौरभ,
साधु रहकर ही तू, जग में पायेगा अमिट गौरव।

स्वरचित
अंजू शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

कविता - पूर्वजन

हम भी एक नर थे,
हमारे भी दो पर थे,
फिर भी तीन बेदर थे,
चार वर्ण से बेकदर थे,
पंचशील से बेखबर थे,
षष्ठ वेदों के सांप छछूंदर थे,
सप्तसागर से अनिभिज्ञ थे,
नारी का भी न विधान थे,
नरकी जीवन न विज्ञान थे,
जागो भारतजन जागो,
अन्तः दीप भव मन लाओ,
अंधश्रद्धा को बिल्कुल त्यागो,
महामानव के समक्ष प्रण लो,
समाज की कुरितियो को हरलो,
जन जन में शिक्षा जागृत कर लो,
समानता का अधिकार पढ़ लो |
तम हटा हृदय प्रकाश भर लो |
मेरे दोस्त एक कविता कर लो |

श्रीमती पुष्पा प्रकाश
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (जीव विज्ञान)

अब्राहम लिंकन का पत्र - अपने पुत्र के शिक्षक के नाम

हे शिक्षक !
मैं जानता हूँ और मानता हूँ
कि न तो हर व्यक्ति सही होता है
और न ही होता है सच्चा;
किंतु तुम्हें सिखाना होगा कि कौन बुरा है और कौन अच्छा |
दुष्ट व्यक्तियों के साथ-साथ आदर्श प्रणेता भी होते हैं ,

स्वार्थी राजनीतिज्ञों के साथ-साथ समर्पित नेता भी होते हैं;
दुश्मनों के साथ-साथ मित्र भी होते हैं ,
हर विरूपता के साथ सुंदर चित्र भी होते हैं |
समय भले ही लग जाए, पर
यदि सिखा सको तो उसे सिखाना
कि पाए हुए पाँच से अधिक मूल्यवान है-
स्वयं एक कमाना |
पाई हुई हार को कैसे झेले, उसे यह भी सिखाना
और साथ ही सिखाना, जीत की खुशियाँ मनाना |
यदि हो सके तो उसे ईर्ष्या या द्वेष से परे हटाना
और जीवन में छिपी मौन मुस्कान का पाठ पढ़ाना |
जितनी जल्दी हो सके उसे जानने देना
कि दूसरों को आतंकित करने वाला स्वयं कमजोर होता है,
वह भयभीत व चिंतित है
क्योंकि उसके मन में स्वयं चोर होता है |
उसे दिखा सको तो दिखाना-
किताबों में छिपा खजाना |
और उसे वक्त देना चिंता करने के लिए---------
कि आकाश के परे उड़ते पंछियों का आह्लाद ,
सूर्य के प्रकाश में मधुमक्खियों का निनाद,
हरी-भरी पहाड़ियों से झाँकते फूलों का संवाद,
कितना विलक्षण होता है - अविस्मरणीय--- अगाध---
उसे यह भी सिखाना-
धोखे से सफलता पाने से असफल होना सम्माननीय है |
और अपने विचारों पर भरोसा रखना अधिक विश्वसनीय है
चाहे अन्य सभी उनको गलत ठहराएँ
परंतु स्वयं पर अपनी आस्था बनी रहे यह विचारणीय है |
उसे यह भी सिखाना कि वह सदय के साथ सदय हो,
किंतु कठोर के साथ हो कठोर |
और लकीर का फकीर बनकर,
उस भीड़ के पीछे न भागे जो करती हो- निरर्थक शोर |
उसे सिखाना कि वह सबकी सुनते हुए अपने मन की भी सुन सके,
हर तथ्य को सत्य की कसौटी पर कसकर गुन सके |
यदि सिखा सको तो सिखाना कि वह दुख में भी मुस्कुरा सके,
घनी वेदना से आहत हो, पर खुशी के गीत गा सके |
उसे यह भी सिखाना कि आँसू बहते हो तो उन्हें बहने दे ,

इसमें कोई शर्म नहीं--- कोई कुछ भी कहता हो--- कहने दे |
उसे सिखाना -
वह सनकियों को कनखियों से हँसकर टाल सके
पर अत्यंत मृदुभाषी से बचने का ख्याल रखे |
वह अपने बाहुबल व बुद्धिबल का अधिकतम मोल पहचान पाए
परंतु अपने ह्रदय व आत्मा की बोली न लगवाए |
वह भीड़ के शोर में भी अपने कान बंद कर सके,
और स्वतः की अंतरात्मा की सही आवाज सुन सके ;
सच के लिए लड़ सके और सच के लिए अड़ सके |
उसे सहानुभूति से समझाना
पर प्यार के अतिरेक से मत बहलाना |
क्योंकि तप-तप कर ही लोहा खरा बनता है,
ताप पाकर ही सोना निखरता है |
उसे साहस देना ताकि वक्त पड़ने पर अधीर बने |
सहनशील बनाना ताकि वह वीर बने |
उसे सिखाना कि वह स्वयं पर असीम विश्वास करे,
ताकि समस्त मानव जाति पर भरोसा आस धरे |
यह एक बड़ा-सा लंबा-चौड़ा अनुरोध है
पर तुम कर सकते हो, क्या इसका तुम्हें बोध है?
मेरे और तुम्हारे दोनों के साथ उसका रिश्ता है;
सच मानो, मेरा बेटा एक प्यारा-सा नन्हा-सा फरिश्ता है ।
(हिंदी भावानुवाद: मधु पंत, अगस्त 2004)

संकलित
ओडेदरा रिद्धि बेन
कक्षा बारहवीं ब

कविता - अबला नहीं हो तुम नारी

करुणा की सागर को धार बनाकर, तुम भी लहरों सी हुँकार भरो,
अबला नहीं हो तुम नारी, इस बात का अभिमान करो ।
दिखाए कोई आँख अगर तो, न तुम सहम सी जाना,
चाहे पकड़े कोई हाथ तुम्हारा, न डर कर तुम चुप रह जाना ।
उठो लड़ो और आगे बढ़ो, अपनी समस्याओं का खुद समाधान बनो |
अबला नहीं हो तुम नारी इस बात का अभिमान करो ।
माना कि दुनिया का मंच कठिन है,
पर इस पर डटकर बनी रहना,
चाहे लगे कोई राह कठिन, नेपथ्य में न खड़ी रहना ।

हिम्मत को साथी चुन कर, हर मंज़िल को तुम फ़तह करो,
अबला नहीं हो तुम नारी इस बात का अभिमान करो ।
जन्म से लेकर मृत्यु तक आखिर कब अपने लिए जियोगी,
समाज के ठेकेदारों के लिए कब तक अपनी इच्छाओं को कुचलोगी ।
समाज के कल्याण का हिस्सा अब इज्जत से तुम भी बनो,
अबला नहीं हो तुम नारी इस बात का अभिमान करो ।
तुम्हें भी जीने का अधिकार मिला है इस जीवन को न व्यर्थ करो,
उठो, चलो और आगे बढ़ो और नारी जीवन को सार्थक करो |
सदियों से महान हो तुम, सदैव सर्वोच्च ही बनी रहो ।
अबला नहीं हो तुम नारी, इस बात का अभिमान करो ।

तृषा बगिया
कक्षा ग्यारहवीं 'अ'

कविता - हमारी मातृभाषा

हिंदी का सम्मान करो यह हमारी राजभाषा,
मिलाती देशवासियों के दिलों को यह पूरी करती अभिलाषा |
देखो प्रेमचंद और भारतेंदु का यह हिंदी साहित्य,
जो लोगों के जीवन में और मनोरंजन के रंग भरते नित्य |
हिंदी भाषा की यह कथा पुरानी लगभग 1000 वर्ष,
जो बनी क्रांति की ज्वाला तो कभी स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष |
आजाद भारत में भी इसका कम नहीं योगदान,
इसलिए हिंदी दिवस के रूप में इसे मिला यह विशेष स्थान |
विनती बस यही हिंदी को ना दो तुम यह दोयम दर्जे का मान,
हिंदी से सदा करो प्रेम तुम दो इसे विशेष सम्मान |
बनाओ तुम हिंदी दिवस बनाओ इसे अपना अभिमान,
हिंदी है हमारी राजभाषा इसलिए दो इसे अपने हृदय में विशेष स्थान ||

पायल ओडेदरा
कक्षा बारहवीं 'ब'

सितंबर माह-पाठ्य सहगामी क्रिया कलाप- स्वच्छता पखवाड़ा

पर्यावरण मित्र

केन्द्रीय विद्यालय पोरबंदर

केंद्रीय विद्यालय पोरबंदर
स्वच्छता पखवाड़ा
(1 सितंबर से 15 सितंबर)

पोषण माह

केन्द्रीय
विद्यालय
पोरबंदर

हिंदी दिवस

शिक्षक दिवस

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

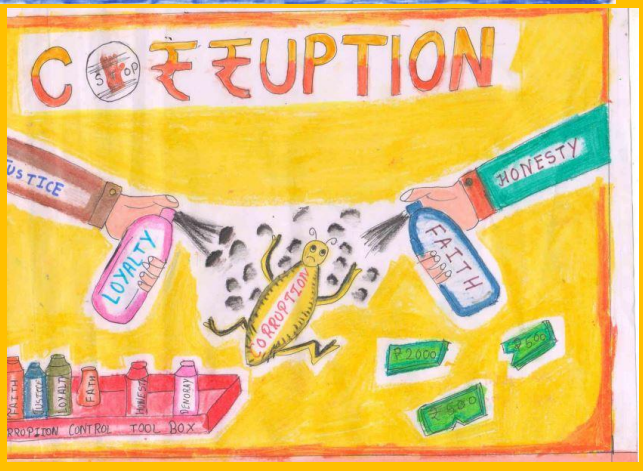

मेरी माटी - मेरा देश

प्राथमिक विभाग क्रियाकलाप - सामुदायिक भोजन

प्राथमिक अनुभाग के बच्चों द्वारा सामुदायिक दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया | केन्द्रीय विद्यालयों को 'लघु भारत' माना जाता है क्योंकि इसमें बच्चे अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं | उनका आवास, भोजन और पोशाक अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती है। इस कार्यक्रम में बच्चे घर से अपने क्षेत्र का खाना लेकर आए, जिसमें अभिभावकों का भरपूर सहयोग मिला। सभी बच्चों ने एक-दूसरे से अपने क्षेत्र के व्यंजनों का आदान-प्रदान किया। एक साथ बैठे और भोजन का आनंद लिया।

सामुदायिक दोपहर के भोजन का उद्देश्य यह है कि बच्चों को एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान, साझा करने और ले जाने का मौका मिले। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों ने प्रार्थना से की, जिसके बाद सभी ने अलग-अलग क्षेत्रीय व्यंजनों के व्यंजन बनाए और उनका आदान-प्रदान किया और सभी ने एक साथ खाना खाया। इसके बाद बच्चों ने सामुदायिक दोपहर के भोजन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इस पर अपने विचार प्रस्तुत किए | उन सभी जगहों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया, जहाँ बच्चे बैठे थे। इसके साथ ही उनमें स्वच्छता का गुण भी विकसित हुआ। इस कार्यक्रम में अभिभावकों का भरपूर सहयोग मिला |

केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य श्री राकेश टी. कांतिवाल ने मार्गदर्शन किया | प्राथमिक शिक्षिका डॉ. देविला मेहता ने सभी बच्चों को आवश्यक निर्देश दिए। पूरे कार्यक्रम में प्राथमिक अनुभाग की जिगीषा व्यास, संगीता यादव, शोभा पांचाल, माधुरी, उमा और चांदनी की टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

http:www.youtube.com/@porbandarkhabar
પોરબંદર ખબર
દરેક ખબર સમવસર
પોરબંદર, 25 સપ્ટેમ્બર 2023, સોમવાર | 14

જેના અન્ન ભેગા એના મનભેગા...

કેન્દ્રીય વિદ્યાલયમાં સમુહ ભોજનનું આયોજન કરવામાં આવ્યું

બાળકો પોતાના પ્રદેશનું જમવાનું ઘરેથી બનાવીને લાવ્યા

પોરબંદર@ખબર

કેન્દ્રીય વિદ્યાલય પોરબંદરમાં પ્રાથમિક વિભાગના બાળકો દ્વારા સામુહિક ભોજન નું આયોજન કરવામાં આવ્યું.

કેન્દ્રીય વિદ્યાલય સંગઠન એક મીની ભારતના રૂપમાં માનવામાં આવે છે કારણ કે ત્યાં અલગ અલગ પ્રદેશમાંથી બાળકો આવે છે એમની રહેણીકરણી, ખાણીપીણી, અને ડ્રેસ એ લોકોના રાજ્ય પ્રમાણે અલગ અલગ હોય છે. આ કાર્યક્રમમાં બાળકો પોતાના પ્રદેશનું જમવાનું ઘરેથી બનાવીને લાવ્યા હતા જેમાં વાલીઓનો ખૂબ સહકાર મળ્યો હતો. બધા બાળકો એકબીજા સાથે પોતાના પ્રદેશ ની વાનગી આપ લે કરી હતી . સાથે બેસી અને ખુલ્લામાં આનંદ માણ્યો. સામુહિક ભોજન નું હેતુ એક જ હોય છે કે બાળકોને એકબીજા વચ્ચે આપ લે કરવાનું મળે .કાર્યક્રમની શરૂઆત બાળકોએ પ્રાર્થનાથી કરી ત્યારબાદ બધાએ અલગ અલગ પ્રદેશની વાનગીની ડીસ બનાવી આપ લે કર્યું. પોતાના મિત્રો સાથે મળી અને બધાએ સાથે જમ્યા. ત્યાર બાદ બાળકોએ આના ઉપર પોતાના મંતવ્ય રજૂ કર્યા કે સામુહિક ભોજનમાં કઈ વાતોનો ધ્યાન રાખવામાં આવે એક તો તાજુ ખાવાનું લાવવાનું સાથે હેલ્થી જમવાનું લાવવાનું કારણ કે આજકાલ ફાસ્ટ ફૂડના જમાનામાં બાળકોને ખાસ એ વાતનું ધ્યાન આપવામાં આવ્યું હતું કે જમવામાં પૌષ્ટિક ખોરાક લાવવાનો બાળકોએ જે જગ્યાએ બેઠા હતા એ જગ્યાની બધી વસ્તુઓ સાફ કરી. સાથે સાથે એમને સ્વચ્છતાના ગુણનો પણ વિકાસ કરવામાં આવ્યો. આ કાર્યક્રમમાં વાલીઓનો ખૂબ સહયોગ મળ્યો કેન્દ્રીય વિદ્યાલય ના પ્રાચાર્ય રાકેશકુમાર કાંતિવાલે બાળકોને માર્ગદર્શન અને આશીર્વાદ આપ્યું હતું. પ્રાથમિક વિભાગના શિક્ષિકા ડો દેવીલા ગોર બધા બાળકોને જરૂરી સુચના આપી હતી . સમગ્ર કાર્યક્રમમાં પ્રાથમિક વિભાગની ટીમે જીગીશા વ્યાસ, સંગીતા યાદવ, શોભા પંચાલ, માધુરી, ઉમા, અને ચાંદની એ કાર્યક્રમ ને સફળ બનાવવા ખૂબ જહેમત ઉઠાવી હતી

समाज सेवा कार्य

2/9/2023 को केन्द्रीय विद्यालय पोरबंदर के बच्चों ने जरूरतमंद लोगों और जानवरों के लिए सेवा कार्य चलाया। प्राचार्य की अनुमति से एवं शिक्षकों के साथ "आनन्द गौशाला" का भ्रमण किया। जहाँ बीमार गाय, कुत्ते और पक्षियों की सेवा की जाती है। बच्चों द्वारा घास बिछाई गई। बीमार पक्षियों को चने और कुत्तों को दूध और बिस्कुट खिलाए गए।

साथ ही बच्चों को "पागा बापा आश्रम" का दौरा कराया गया | जहाँ मानसिक रूप से विकलांग लोगों को रखा जाता है, लोग कैसे रहते हैं, उनकी सेवा कैसे की जाती है, स्वच्छता का कैसे ध्यान रखा जाता है, उन्हें सिखाया गया। बच्चों द्वारा दान दिया गया, जिससे उन्हें जरूरतमंद लोगों की मदद करना सिखाया गया।

हिंदी पखवाड़ा प्राथमिक विभाग

सुलेख प्रतियोगिता परिणाम

प्रथम स्थान - जानवी - कक्षा दूसरी

द्वितीय स्थान - प्रत्यूष - कक्षा दूसरी

तृतीय स्थान - शिवम पांडे - कक्षा दूसरी

प्रथम स्थान - श्रीगौरी - कक्षा तीसरी

द्वितीय स्थान - कार्तिक - कक्षा चौथी

तृतीय स्थान - रिया - कक्षा चौथी

श्रुतलेख प्रतियोगिता परिणाम

प्रथम स्थान - अनस रब्बानी - कक्षा पाँचवीं ब

प्रथम स्थान - श्रेया कुमारी - कक्षा तीसरी

द्वितीय स्थान - आर्यन - कक्षा पाँचवीं ब

द्वितीय स्थान - आदित्य - कक्षा तीसरी

तृतीय स्थान - ऐश्वर्या - कक्षा पाँचवीं ब

तृतीय स्थान - आयुषी - कक्षा पाँचवीं अ

काव्य पाठ प्रतियोगिता

प्रथम स्थान - पाखी दीप - कक्षा पाँचवीं अ

द्वितीय स्थान - खुश - कक्षा चौथी

द्वितीय स्थान - निमिषा - कक्षा चौथी

तृतीय स्थान - प्रकृति - कक्षा तीसरी

तृतीय स्थान - देवन - कक्षा पाँचवीं ब

हिंदी पखवाड़ा चित्रकला प्रतियोगिता परिणाम

प्रथम स्थान - नंदिनी - कक्षा चौथी

द्वितीय स्थान - रेवत - कक्षा पाँचवीं ब

तृतीय स्थान - नम्या मोरजरिया - कक्षा चौथी

नारा लेखन प्रतियोगिता परिणाम

प्रथम स्थान - श्रीगौरी - कक्षा तीसरी

द्वितीय स्थान - स्वरूप निवास कांबले- कक्षा पाँचवीं ब

तृतीय स्थान - मन्नत - कक्षा तीसरी

तृतीय स्थान - देवन - कक्षा पाँचवीं ब

शिक्षक दिवस प्रतियोगिता (माध्यमिक विभाग)

छात्र शिक्षक के रूप में

प्रथम स्थान - संस्कृति राणा, कक्षा बारहवीं अ

द्वितीय स्थान - दक्ष मोढा, कक्षा बारहवीं ब

द्वितीय स्थान - तन्वी मोढवाडिया, कक्षा बारहवीं अ

तृतीय स्थान - अनिकेत मजीठिया, कक्षा बारहवीं ब

तृतीय स्थान - ओडेदरा रिद्धि बेन, कक्षा बारहवीं ब

स्वच्छता पखवाड़ा प्रतियोगिता परिणाम

निबंध लेखन - विषय - 'स्वच्छता का महत्त्व'

प्रथम स्थान - हेतस्वी बलवा, कक्षा दसवीं अ

द्वितीय स्थान - साक्षी झा, कक्षा दसवीं ब

तृतीय स्थान - आयुष कुमार, कक्षा छठी अ

तृतीय स्थान - रिशिका कुमारी, कक्षा आठवीं अ

पोषण माह संबंधित प्रतियोगिता परिणाम

निबन्ध लेखन - विषय - 'अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज की आवश्यकता'

प्रथम स्थान - दीपेन वाढीया, कक्षा ग्यारहवीं अ

द्वितीय स्थान - जील गाँधी, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान - आस्था कुमारी, कक्षा आठवीं अ

चित्रकला प्रतियोगिता - विषय - 'अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज की आवश्यकता'

प्रथम स्थान - कृष्णा वडगामा, कक्षा सातवीं अ

प्रथम स्थान - अंशिका गुप्ता, कक्षा सातवीं ब

द्वितीय स्थान - अंशिका सिंह, कक्षा नवीं अ

द्वितीय स्थान - आँचल कुमारी, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान - शिवम झा, कक्षा सातवीं ब

सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतियोगिता परिणाम

नारा लेखन प्रतियोगिता - विषय - 'भ्रष्टाचार दूर करो'

प्रथम स्थान - कृष्णा वडगामा, कक्षा सातवीं अ

द्वितीय स्थान - प्रतिभा दास, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान - वंशिता, कक्षा आठवीं ब

चित्रकला प्रतियोगिता - विषय - 'भ्रष्टाचार दूर करो'

प्रथम स्थान - अंजलि, कक्षा सातवीं ब

द्वितीय स्थान - आद्या जोशी, कक्षा सातवीं अ

तृतीय स्थान - रिशिका कुमारी, कक्षा आठवीं अ

आज़ादी का अमृत महोत्सव - मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम

निबंध लेखन प्रतियोगिता - (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान - आस्था कुमारी, कक्षा आठवीं अ

द्वितीय स्थान - दीपाली कुमारी, कक्षा आठवीं ब

तृतीय स्थान - अदिति, कक्षा आठवीं ब

निबंध लेखन प्रतियोगिता - (कक्षा नवीं से बारहवीं)

प्रथम स्थान - आकाश कुमार, कक्षा नवीं अ

द्वितीय स्थान - दीपेन वाढीया, कक्षा ग्यारहवीं अ

तृतीय स्थान - ईशा, कक्षा दसवीं अ

चित्रकला प्रतियोगिता - (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान - तन्वी पांजरी, कक्षा आठवीं अ

प्रथम स्थान - कृष्णा वडगामा, कक्षा सातवीं अ

द्वितीय स्थान - उज्ज्वल राठोड़, कक्षा आठवीं अ

द्वितीय स्थान - रिद्धि सोलंकी, कक्षा छठी ब

तृतीय स्थान - आँचल कुमारी, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान - अंशिका गुप्ता, कक्षा सातवीं ब

चित्रकला प्रतियोगिता - (कक्षा नवीं से बारहवीं)

प्रथम स्थान - आकाश कुमार, कक्षा नवीं अ

द्वितीय स्थान - रिया मालम, कक्षा ग्यारहवीं ब

तृतीय स्थान - जय मकवाना, कक्षा ग्यारहवीं ब

हिंदी पखवाड़ा समारोह

(दिनांक 14-09-2023 से 28-09-2023)

प्रतियोगिताएँ (तीसरी से पाँचवीं के विद्यार्थियों हेतु)

दिनांक 14-09-2023 (गुरुवार) - हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम शुभारम्भ - सुलेख व श्रुतलेख प्रतियोगिता

दिनांक 15-09-2023 (शुक्रवार) - अशुद्धि संशोधन प्रतियोगिता

दिनांक 16-09-2023 (शनिवार) - कविता पाठ प्रतियोगिता (विषय- देशभक्ति, हिंदी भाषा, प्रकृति)

दिनांक 18-09-2023 (सोमवार) - नारा लेखन प्रतियोगिता (विषय- हिंदी भाषा)

दिनांक 19-09-2023 (मंगलवार) - कहानी कथन प्रतियोगिता

दिनांक 20-09-2023 (बुधवार) - हिंदी प्रश्नोत्तरी

दिनांक 21-09-2023 (गुरुवार) - आशुभाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिताएँ (छठी से बारहवीं के विद्यार्थियों हेतु)

दिनांक 14-09-2023 (गुरुवार) - हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम शुभारम्भ - सुलेख व श्रुतलेख प्रतियोगिता

दिनांक 15-09-2023 (शुक्रवार) - निबंध प्रतियोगिता (विषय- राजभाषा हिंदी का महत्त्व)

दिनांक 16-09-2023 (शनिवार) - कविता पाठ प्रतियोगिता (विषय- देशभक्ति, हिंदी भाषा, प्रकृति)

दिनांक 18-09-2023 (सोमवार) - नारा लेखन प्रतियोगिता (विषय- हिंदी भाषा)

दिनांक 19-09-2023 (मंगलवार) - दोहा गायन प्रतियोगिता

दिनांक 20-09-2023 (बुधवार) - हिंदी प्रश्नोत्तरी

दिनांक 21-09-2023 (गुरुवार) - आशुभाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिताएँ (अध्यापकों हेतु)

दिनांक 29-09-2023 (शुक्रवार) - सुलेख, श्रुतलेख, कविता पाठ प्रतियोगिता, राजभाषा प्रश्नोत्तरी

विजेता सूची - हिंदी पखवाड़ा समारोह 2023

आशुभाषण प्रतियोगिता - (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान- हर्षवर्धन, कक्षा सातवीं अ

द्वितीय स्थान- सृष्टि सेन, कक्षा आठवीं ब

तृतीय स्थान- कीर्तन कोटेचा, कक्षा सातवीं अ

आशुभाषण प्रतियोगिता - (कक्षा नवीं- दसवीं)

प्रथम स्थान- श्रुति, कक्षा दसवीं ब

द्वितीय स्थान- भक्ति हरखानी, कक्षा नवीं ब

तृतीय स्थान- दर्शिल जेठवा, कक्षा नवीं ब

निबंध प्रतियोगिता- 'राजभाषा का महत्त्व' (कक्षा छठी से दसवीं)

प्रथम स्थान- प्रतिभा दास, कक्षा नवीं अ

द्वितीय स्थान- आँचल कुमारी, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान- सेजल, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान- आयुष कुमार, कक्षा छठी अ

निबंध प्रतियोगिता- 'राजभाषा का महत्त्व' (कक्षा ग्यारहवीं-बारहवीं)

प्रथम स्थान - ओडेदरा रिद्धि बेन, कक्षा बारहवीं ब

द्वितीय स्थान- दीपेन वाढीया, कक्षा ग्यारहवीं अ

तृतीय स्थान- मिहिर मेहता, कक्षा बारहवीं ब

कविता पाठ प्रतियोगिता - (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान- हेतवी लालानी, कक्षा आठवीं ब

द्वितीय स्थान- कशिश, कक्षा छठी ब

तृतीय स्थान- निश्चय शर्मा, कक्षा आठवीं ब

कविता पाठ प्रतियोगिता - (कक्षा नवीं से बारहवीं)

प्रथम स्थान- ओडेदरा रिद्धि बेन, कक्षा बारहवीं ब

द्वितीय स्थान- श्रेया बेहरा, कक्षा दसवीं अ

तृतीय स्थान- साक्षी झा, कक्षा दसवीं ब

नारा लेखन (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान- उज्ज्वल राठोड़, कक्षा आठवीं अ

द्वितीय स्थान- अंशिका गुप्ता, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान- कृष्णा वडगामा, कक्षा सातवीं अ

माया, कक्षा सातवीं अ

नारा लेखन (कक्षा नवीं से बारहवीं)

प्रथम स्थान- ओडेदरा रिद्धि बेन, कक्षा बारहवीं ब

द्वितीय स्थान- जील गाँधी, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान- विश्वा शेराजी, कक्षा नवीं ब

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (कक्षा छठी से आठवीं)

प्रथम स्थान (अशोक सदन) -

यश पंडिता, कक्षा आठवीं अ

महक मोरी, कक्षा सातवीं अ

हर्षित, कक्षा छठी ब

दोहा गायन प्रतियोगिता (कक्षा छठी से बारहवीं)

प्रथम स्थान - गुरमिलाप, कक्षा आठवीं ब

द्वितीय स्थान - सृष्टि, कक्षा आठवीं ब

तृतीय स्थान - पायल ओडेदरा, बारहवीं ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा छठी अ + ब)

प्रथम स्थान- उमंगी माधवी, कक्षा छठी ब

द्वितीय स्थान- अनुष्का पाल, कक्षा छठी ब

तृतीय स्थान- ध्रुविषा, कक्षा छठी अ

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा छठी अ + ब)

प्रथम स्थान- आयुष, कक्षा छठी अ

द्वितीय स्थान- अनुष्का पाल, कक्षा छठी ब

तृतीय स्थान- उमंगी माधवी, कक्षा छठी ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा सातवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- शाजिया आज़म, कक्षा सातवीं अ

द्वितीय स्थान- अंशिका गुप्ता, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान- जिया जोशी, कक्षा सातवीं ब

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा सातवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- सुशांत, कक्षा सातवीं ब

द्वितीय स्थान- कीर्तन कोटेचा, कक्षा सातवीं ब

तृतीय स्थान- हर्षवर्धन, कक्षा सातवीं अ

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा आठवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- वंशिका, कक्षा आठवीं अ

द्वितीय स्थान- रिशिका कुमारी, कक्षा आठवीं अ

तृतीय स्थान- दीपाली, कक्षा आठवीं ब

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा आठवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- जय राठोड़, कक्षा आठवीं ब

द्वितीय स्थान- उज्ज्वल, कक्षा आठवीं अ

तृतीय स्थान- अदिति, कक्षा आठवीं ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा नवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- आकाश कुमार, कक्षा नवीं अ

द्वितीय स्थान- फलक, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान- निधिषा, कक्षा नवीं ब

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा नवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- यश मेहता, कक्षा नवीं ब

द्वितीय स्थान- फलक, कक्षा नवीं अ

तृतीय स्थान- भक्ति हरखानी, कक्षा नवीं ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा दसवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- प्रतिभा, कक्षा दसवीं अ

द्वितीय स्थान- हेतस्वी बलवा, कक्षा दसवीं अ

तृतीय स्थान- प्रांजलिका, कक्षा दसवीं अ

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा दसवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- इशिका, कक्षा दसवीं अ

द्वितीय स्थान- प्रांजलिका, कक्षा दसवीं अ

तृतीय स्थान- हेतस्वी सादिया, कक्षा दसवीं ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा ग्यारहवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- पुष्टि ठकरार, कक्षा ग्यारहवीं ब

द्वितीय स्थान- प्रियांशी, कक्षा ग्यारहवीं अ

तृतीय स्थान- रिया मालम, कक्षा ग्यारहवीं ब

सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा बारहवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- देविशा ओडेदरा, कक्षा बारहवीं ब

द्वितीय स्थान- पायल ओडेदरा, कक्षा बारहवीं ब

तृतीय स्थान- माहीनूर पठान, कक्षा बारहवीं ब

श्रुतलेख प्रतियोगिता (कक्षा बारहवीं अ + ब)

प्रथम स्थान- कुलदीप ओडेदरा, कक्षा बारहवीं अ

द्वितीय स्थान- ओडेदरा रिद्धि बेन, कक्षा बारहवीं ब

तृतीय स्थान - रणजीत भूतिया, कक्षा बारहवीं अ

शिक्षकों हेतु प्रतियोगिताएँ-

कविता वाचन प्रतियोगिता

प्रथम स्थान- श्री दिनेश धाकड़, स्नातकोत्तर शिक्षक (अर्थशास्त्र)

प्रथम स्थान- श्रीमती प्रतिभा मिश्रा, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (गणित)

द्वितीय स्थान- श्री व्योमेश रावल, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी)

द्वितीय स्थान- सुश्री हार्दिका, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (अंग्रेजी)

तृतीय स्थान - श्रीमती देविला मेहता, प्राथमिक शिक्षिका

सुलेख प्रतियोगिता

प्रथम स्थान- श्री शिव कुमार, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्यानुभव)

प्रथम स्थान- श्रीमती माधुरी, प्राथमिक शिक्षिका

द्वितीय स्थान- श्री दिनेश धाकड़, स्नातकोत्तर शिक्षक (अर्थशास्त्र)

द्वितीय स्थान- श्रीमती नीतिका भारद्वाज, स्नातकोत्तर शिक्षिका (कंप्यूटर विज्ञान)

तृतीय स्थान - श्रीमती शोभा पांचाल, प्राथमिक शिक्षिका

तृतीय स्थान - सुश्री उमा गोडकिया, प्राथमिक शिक्षिका

श्रुतलेख प्रतियोगिता

प्रथम स्थान- श्री दिनेश धाकड़, स्नातकोत्तर शिक्षक (अर्थशास्त्र)

द्वितीय स्थान- श्रीमती सुमित्रा, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (सामाजिक विज्ञान)

तृतीय स्थान - श्री अनुज गिरी, स्नातकोत्तर शिक्षक (वाणिज्य)

तृतीय स्थान - श्रीमती शोभा पांचाल, प्राथमिक शिक्षिका

तृतीय स्थान - सुश्री उमा गोडकिया, प्राथमिक शिक्षिका

राजभाषा प्रश्नोत्तरी

प्रथम स्थान- श्री राकेश टी कांतिवाल (प्राचार्य)

द्वितीय स्थान- श्रीमती देविला मेहता प्राथमिक शिक्षिका

द्वितीय स्थान- श्रीमती माधुरी, प्राथमिक शिक्षिका

तृतीय स्थान - श्रीमती नीतिका भारद्वाज, स्नातकोत्तर शिक्षिका (कंप्यूटर विज्ञान)

तृतीय स्थान - श्रीमती शोभा पांचाल, प्राथमिक शिक्षिका

विद्यालय के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने सभी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया | हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह में विजेता विद्यार्थियों और शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया व साथ ही यह संकल्प लिया गया कि हिंदी पखवाड़ा मात्र एक आयोजन बनकर न रहे, हिंदी राजभाषा के प्रयोग में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया जाए |